अंक 51 मार्च 2026

बालमन

धीरज के साथ

नन्हें हाथों की कलाकारी

पेंटिंग्स और हस्त निर्मित सामग्री

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

ज्ञानवर्धक जानकारी और रोचक तथ्य

कविता, कहानी और बहुत कुछ

नि:शुल्क पढ़ने के लिए स्कैन करें।

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

उम्मीद करता हूं कि आप सभी वार्षिक मूल्यांकन के लिए अच्छे से तैयारी किए होगी। गर्मी के आगमन और होली और ईद जैसे खास पर्व सर मार्च महीने को खास बना रहे है।बदलते मौसम के साथ यह महीना बहुत सारे खास लोगों के जन्मदिन और दिवस विशेष के बीच अपनी एक अलग ही पहचान बनाता है,ठीक वैसे ही जैसे आप सभी बच्चे अपनी प्रतिभ से बालमन को खास बनाते हैं। बालमन टीम आप सभी नन्हें कलाकारो का भी बहुत सम्मान करती है।आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं, ऐसे ही जारी रखे। राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आपकी प्रतिभा सभी को पसंद आ रही है।

बच्चो ! हमे आपको बताते हुए बहुत ही हर्ष हो रहा हैं कि टीचर्स ऑफ बिहार बालमन सभी के बीच काफी लोकप्रिय है। हम शुरू से बेहतर से बेहतरीन की ओर अग्रसर है। इस महीने की पत्रिका को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है। यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए।

हमारी ToB बाल मन पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है। अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

शुभकामनाओं सहित

धीरज कुमार
प्रधान संपादक (बालमन पत्रिका)
राजकीय शिक्षक सम्मान (वर्ष 2022)
से सम्मानित शिक्षक(बिहार)

बालमन सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादक सह ग्राफिक्स डिजाइनर

धीरज कुमार, नव. प्रा. वि. हरनाटॉड, भभुआ कैमूर(बिहार)

राष्ट्रीय समन्वयक समिति

1. शरद कुमार वर्मा [रेलगाड़ी बालमन एक्सप्रेस, प्रधान संपादक,उत्तर प्रदेश]
2. दीपिका श्रीवास्तव (छत्तीसगढ़)
3. अभय शर्मा (मध्य प्रदेश)
4. निकिता चौधरी (गुजरात)
5.. सिध्दार्थ सपकाळे (महाराष्ट्र)

राज्य समन्वयक समिति

1.कुमार राकेश मणि, मध्य वि. कोटा, नुआंव (कैमूर)

2.रवि शर्मा,प्रा वि पकड़ी अनु.जाति टोला रामनगर(पश्चिम चंपारण)

अन्य सहयोगी सदस्य

1. पुष्पा प्रसाद, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)
2. राकेश कुमार, म.वि. बलुआ, मनेर (पटना)
3. कुमारी कान्ति, मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर,बोचहा(मुजफ्फरपुर)

संरक्षक

1. शिव कुमार, संस्थापक, टीचर्स ऑफ़ बिहार
2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

आपके लिए इस अंक में

	पेज संख्या
1. अनमोल विचार	01
2. प्रेरक प्रसंग	02
3. मास्टरसाहेब कहिन	04
4. स्वास्थ्य सुझाव	05
5.चित्र से कहानी	08
6. बालमन पेंटिंग	10
7.रास्ता खोजें	14
8. नन्हें कलाकार	15
9. माहे - ए - रमजान	16
10. हंसी के हंसगुल्ले	19
11. रोचक गणित	20
12. पेन पेंसिल आर्ट	21
13.ब्लैक बोर्ड आर्ट	24
14. दर्शनीय स्थल	25
15.गुणकारी फल	26
16.एक नज़र इधर भी	27
17.कहना जरूरी हैं	28
18.क्विज टाइम	31
19.बूझो तो जानें	32
20. कविता	34
21.चेतना सत्र	35
22.बालमन जानकारी	37
23.बालमन कहानी	42

बालमन

अनमोल विचार

समय के सिवा कोई इस लायक़ नहीं होता कि उसे किसी कहानी का हीरो बनाया जाए।

– राही मासूम रज़ा

पद्य पंकज

विस्तृत नभ का कोई कोना मेरा न कभी अपना होना, परिचय इतना, इतिहास यही उमड़ी कल थी, मिट आज चली!

जन्म: 26 मार्च 1907

मृत्यु : 11 सितम्बर 1987

महादेवी वर्मा

(कवयित्री)

<u>योग से रहेंगे निरोग</u>

खड़े हो कर करने वाले योग

ताड़ासन (मांसपेशियों की मजबूती), त्रिकोणासन (हृदय स्वास्थ्य के लिए), वृक्षासन (एकाग्रता के लिए) और वीरभद्रासन (शरीर में संतुलन, सहनशक्ति)

बालमन
प्रेरक प्रसंग
रजनीश कुमार पाठक

||बदलाव की शुरुआत एक से||

एक लड़का रो के किनारे दौड़ने जाया करता था। आते-जाते वह देखता कि एक बूढ़ी महिला हर दिन तालाब के किनारे बैठे छोटे-छोटे कछुओं की पीठ को ध्यान से साफ़ कर रही होती है। यह दृश्य वह कई दिनों तक देखता रहा, लेकिन एक दिन उससे रहा नहीं गया। उसने पास जाकर आदर से नमस्ते किया और पूछा—"आंटी जी, मैं आपको रोज़ कछुओं की पीठ साफ़ करते देखता हूँ, आप ऐसा क्यों करती हैं?" बूढ़ी महिला ने स्नेह से उसकी ओर देखा और बोली—"बेटा, इन कछुओं की पीठ पर एक कठोर कवच होता है, जिस पर समय के साथ कचरा जम जाता है।

इससे उनकी गर्मी ग्रहण करने की क्षमता कम हो जाती है, तैरने में परेशानी होती है और यदि लंबे समय तक यह गंदगी साफ़ न की जाए तो उनका कवच कमजोर हो जाता है, जिससे उनकी ज़िंदगी खतरे में पड़ जाती है। मैं हर रविवार यहाँ आकर इन्हें साफ़ करती हूँ, इससे मुझे भीतर से शांति और सुकून मिलता है।" यह सुनकर लड़का बोला—"आप बहुत अच्छा काम कर रही हैं, लेकिन यहाँ तो सैकड़ों कछुए हैं, आप सबकी मदद नहीं कर सकतीं, फिर आपके इस प्रयास से कोई बड़ा बदलाव कैसे आएगा?" बूढ़ी महिला मुस्कुराईं, पास में बैठे एक कछुए को तालाब में छोड़ते हुए बोलीं—"हो सकता है मेरी इस कोशिश से दुनिया न बदले, लेकिन इस एक कछुए की पूरी दुनिया तो बदल गई ना।

यही सोचकर मुझे खुशी मिलती है कि मैं पूरी दुनिया नहीं, पर किसी एक की दुनिया बदल पाई।" यह सुनकर लड़के की आँखों में चमक आ गई और वह समझ गया कि बदलाव की शुरुआत हमेशा छोटे कदम से ही होती है।

बालमन
अन्तर खोजें

20 सेकेंड में पांच अन्तर खोजें और जीनियस बन जाओ

चित्र 1

चित्र 2

आप अपने उत्तर हमे 9431680675 पर भेज सकते हैं ।

बालमन

सबसे अलग हूं मैं...

दिए गए चारों आकृतियों में से सबसे अलग आकृति को पहचाने और घेरा लगाएं

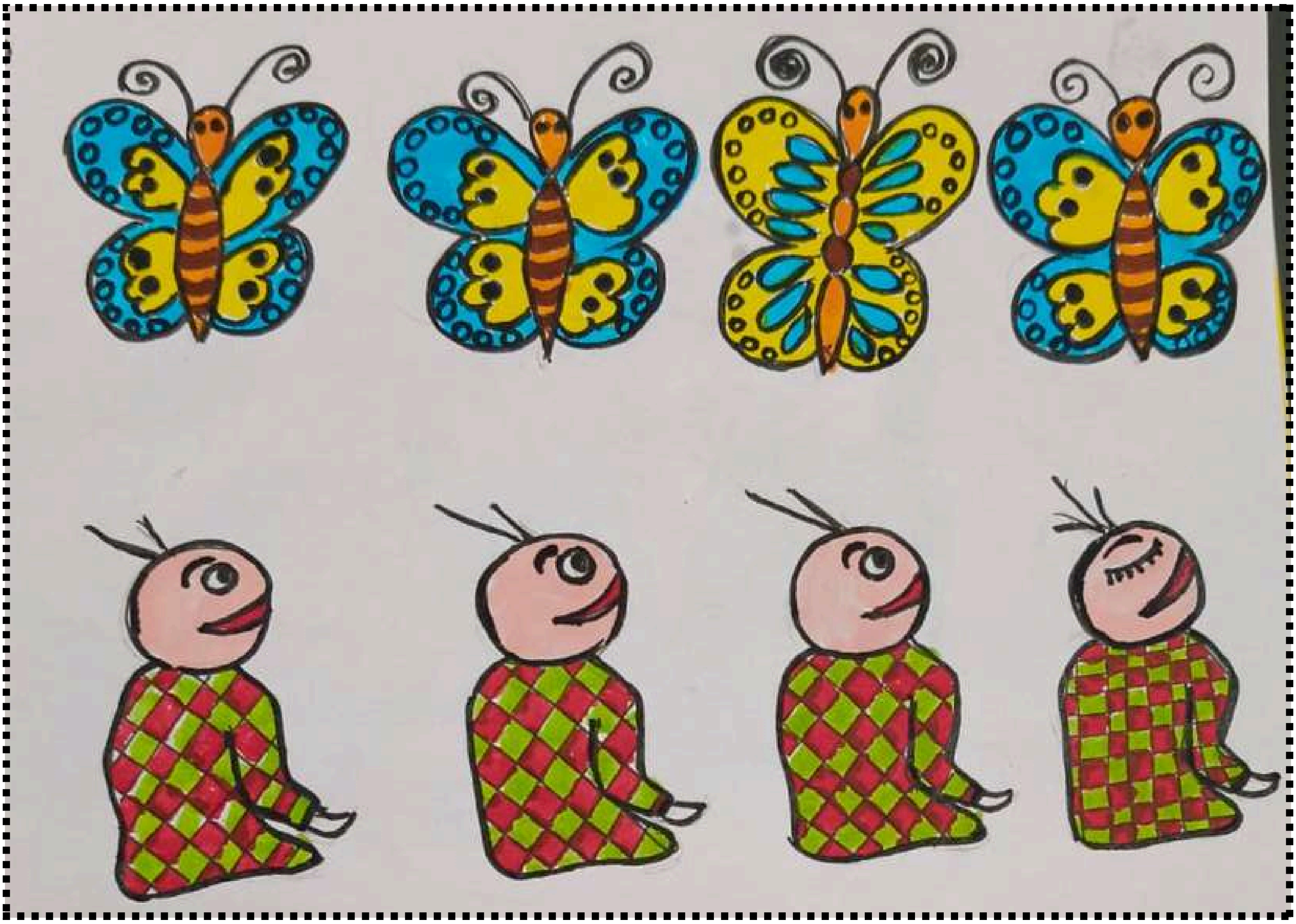

कुमारी कान्ति (शिक्षिका)
मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर बोचहा
मुजफ्फरपुर(बिहार)

बालमन

डॉट्स मिलाओ चित्र पूरा बनाओ

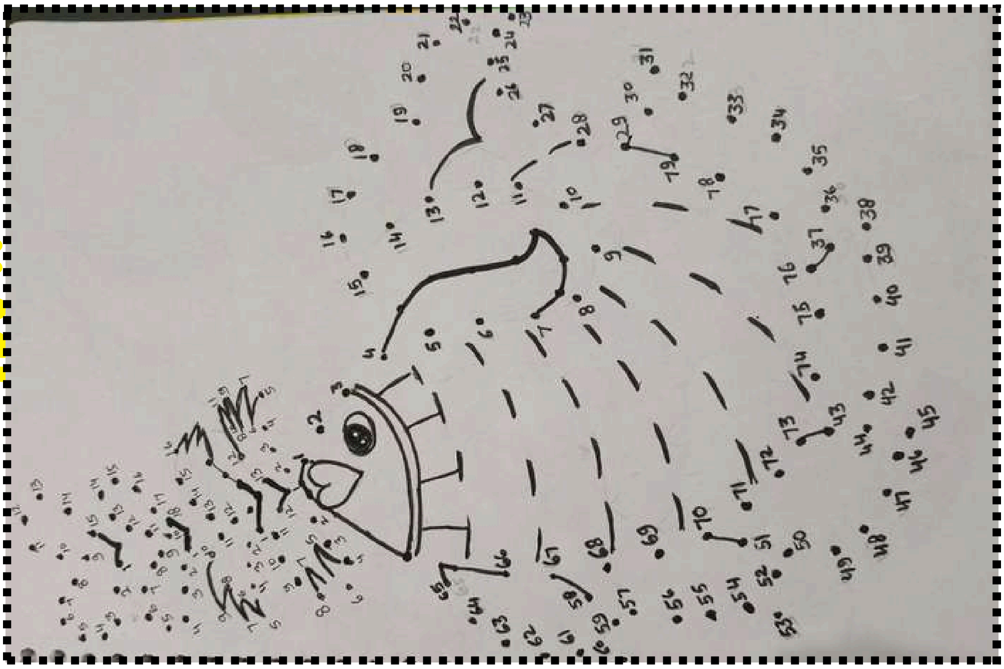

सभी नंबर को जोड़ते हुए बनी आकृति को रंग कर आप हमें 9431680675 पर भेज सकते है।

होमुर्ज जलडमरूमध्य के मुख्य तथ्य

मास्टर साहेब: धीरज कुमार
न्यू प्राथमिक विद्यालय हरनाटांड़,
भभुआ
कैमूर (बिहार)

होर्मुज़ जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) के विषय में मुख्य तथ्य :

परिचय: ईरान को अरब प्रायद्वीप से अलग करने वाला यह जलमार्ग फ़ारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। यह एक संकीर्ण समुद्री मार्ग है जिसकी चौड़ाई लगभग 33 से 39 किलोमीटर के बीच है। यह ईरान एवं अरब प्रायद्वीप के बीच स्थित है और फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी तथा अरब सागर से जोड़ता है।

यह मार्ग फारस की खाड़ी के देशों से वैश्विक तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) के निर्यात के लिये एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण मार्ग के रूप में कार्य करता है।

वैश्विक ऊर्जा निर्भरता: यह वैश्विक तेल परिवहन के लिये एक महत्त्वपूर्ण मार्ग है जो विश्व की कुल तेल आपूर्ति का लगभग 20-25% वहन करता है। वर्ष 2024 में, लगभग 20 मिलियन बैरल तेल प्रति दिन इसके माध्यम से गुजरा था।

इस जलडमरूमध्य का उपयोग करने वाले प्रमुख तेल निर्यातकों में सऊदी अरब, ईरान, इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और कतर शामिल हैं, जबकि इस तेल का 80% से अधिक हिस्सा एशियाई बाज़ारों, मुख्य रूप से भारत, चीन, जापान तथा दक्षिण कोरिया को जाता है।

भारत की निर्भरता: भारत का लगभग 40% कच्चा तेल आयात और लगभग 54% LNG आयात इसी मार्ग से होकर गुजरता है।

बालमन

स्वास्थ्य सुझाव

स्वस्थ जीवनशैली से पाए स्वस्थ जीवन

Health is wealth

गर्मियां शुरू हो चुकी है।ज्यादा तेल-मसालेदार खाने से बचें। तरबूज, खीरा, ककड़ी जैसे पानी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं।

CYBER मंत्र

साइबर शिक्षा से साइबर सुरक्षा

पुलिस, बैंक, या ट्राई (TRAI) के नाम पर कॉल करके 'डिजिटल अरेस्ट' या पैसे मांगने वालों से सावधान रहें।

OLD IS GOLD

चलते - चलते

बेट्टी ब्रोमेज

विंग-वॉक यानी हाई-फ्लाइंग चैलेंज में 5 बार रिकॉर्ड बनाने वाली यूके की 97 वर्षीय बेट्टी ब्रोमेज अभी भी सक्रियता के साथ जी रही हैं। उनका नाम आज भी गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में सबसे बुजुर्ग महिला कलाबाज विंग वॉकर के रूप में दर्ज है। ब्रोमेज वर्तमान में चेल्टनहैम के एक रिटायरमेंट होम में रह रही हैं। वह कहती हैं कि उम्र का रोना मत रोइए, कुछ न कुछ करते रहिए।

फोटो साभार: sky News

पीहू और धीरू के साथ

यदि बस में सफर करते हुए तुम्हे कोई बुजुर्ग व्यक्ति,महिला, दिव्यांग या बीमार व्यक्ति मिल जाए तो प्राथमिकता देते हुए अपनी सीट बैठने के लिए उपलब्ध करे।

केला खाकर छिलके को बीच सड़क पर फेंकने से कोई राहगीर उस पर पैर पड़ने से फिसल कर गिर सकता है। इसलिए केला खा कर छिलके को सही तरीके से सही स्थान पर भी फेंके।

बालमन रोचक तथ्य

राकेश कुमार

TOB खेल कॉर्नर

लॉन टेनिस

राकेश कुमार

सर्वाधिक ग्रैंड स्लैम खिताब (Singles)

टेनिस के सबसे प्रतिष्ठित 'ग्रैंड स्लैम' टूर्नामेंट्स में पुरुषों और महिलाओं के रिकॉर्ड्स इस प्रकार हैं:

- **पुरुष वर्ग: नोवाक जोकोविच** (Novak Djokovic) के नाम सर्वाधिक **24 ग्रैंड स्लैम** खिताब जीतने का विश्व रिकॉर्ड है।
- **महिला वर्ग: मार्गरेट कोर्ट** (Margaret Court) के नाम भी **24 ग्रैंड स्लैम** खिताबों का सर्वकालिक रिकॉर्ड है।
- **ओपन एरा (महिला)**: सेरेना विलियम्स (Serena Williams) ने ओपन एरा में सबसे ज्यादा 23 खिताब जीते हैं।

www.teachersofbihar.org राकेश कुमार

बालमन शिक्षा शब्दकोश

दत्त कार्य विधि

दत्त कार्य दैनिक पाठ योजना का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसके द्वारा कक्षा की क्रियाएँ संगठित एवं निर्देशित होती हैं। यह शैक्षिक क्रियाओं को दिशा देने का मुख्य साधन होता है। यह कक्षा के कमरे में या उससे बाहर दूसरे दिन के कार्य की तैयारी के लिए भी आवश्यक है।

विज्ञान कॉर्नर

गति

गति (MOTION) : यदि समय परिवर्तन के साथ - साथ किसी वस्तु के स्थान में परिवर्तन होता है तो हम कहते है कि वस्तु गति में हैं। जैसे: चलती हुई कार,उड़ती हुई चिड़िया आदि।

विराम

विराम (REST) : यदि समय परिवर्तन के साथ - साथ किसी वस्तु के स्थान में परिवर्तन नहीं होता है तो हम कहते है कि वस्तु विराम में हैं। जैसे: बंद पंखा, मेज पर रखी किताब,आदि।

बालमन

चित्र देखे

कहानी बनाएं

आप अपनी कहानी हमे 9431680675 पर भेज सकते है।

कुमारी कान्ति (शिक्षिका)
मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर बोचहा
मुजफ्फरपुर(बिहार)

मेरा बिहार

बालमन कविता

जहाँ गिनती ने पहली बार
आँखें खोलीं, नाम हुआ,
आर्यभट्ट की बुद्धि से ही
दुनिया को ये ज्ञान हुआ।

जहाँ नालंदा के आँगन में
दुनिया पढ़ने आती थी,
दूर-दूर से हर इक राह
यहीं आकर रुक जाती थी।

चाणक्य की गहरी सोच ने
राज चलाना सिखलाया है,
अशोक ने भी युद्ध छोड़कर
शाति का मार्ग अपनाया है।

बुद्ध की कोमल वाणी से
मन को सुकून मिल जाता है,
महावीर के सत्य-अहिंसा से
जीवन सरल बन जाता है।

वीर कुंवर सिंह की हिम्मत
आज भी हमको जगाती है,
राजेंद्र बाबू की सादगी
दिल में जगह बना जाती है।

यहाँ की मिट्टी कहती है —
"मेहनत से कुछ भी पाओगे",
छोटे-छोटे सपनों को भी
एक दिन सच बनाओगे।

थाली में लिट्टी-चोखा हो,
तो स्वाद ही कुछ और है,
सादा खाना, सच्चा दिल —
यही बिहार की डोर है।

छठ पूजा की सुबह में
सूरज को प्रणाम होता है,
माँ की आँखों की श्रद्धा में
पूरा बिहार झुक जाता है।

कोई कहे "पीछे है बिहार",
तो अब चुप हम रहते नहीं,
यहीं के बच्चे मेहनत करके
किसी से भी कम रहते नहीं।

धीरे-धीरे बढ़ते हैं हम,
पर रुकना हमें आता नहीं,
मेहनत अपनी पहचान है,
ये सच कोई मिटाता नहीं।

ये सिर्फ जमीन का टुकड़ा नहीं,
ये हौसलों की उड़ान है,
सीना ठोक के कह दो सब —
मेरा बिहार महान है।

नाम - आरुषी कुमारी
कक्षा - 8
विद्यालय - राजकीय बुनियादी मध्य विद्यालय, महुली(भोजपुर)

अभ्यास मध्य विद्यालय शेखपुरा

UHS BASANTPUR SUPAUL

उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुलिया लदनिया, मधुबनी

मध्य विद्यालय मसदी पूर्व सुलतानगंज, भागलपुर

प्राथमिक विद्यालय बक्सीडीह फलका कटिहार

M. S. SALTHUA, KUDRA, KAIMUR

UMS छोटका कटरा, मोहनिया, कैमूर

मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान, खजांची हाट, पूर्णिया

कन्या मध्य विद्यालय बिछिया दुर्गावती कैमूर

मध्य विद्यालय दुर्गास्थान, खजांची हाट, पूर्णिया

बालमन पेंटिंग

भाग-1

रा. प्रा. वि. बथनामेहसी, पूर्वी चंपारण

UMS BAHERIYAN, CHAND, KAIMUR

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

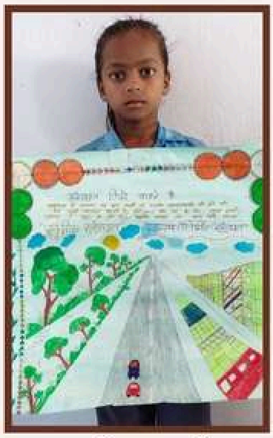

उ म वि धनुषी केवटी दरभंगा

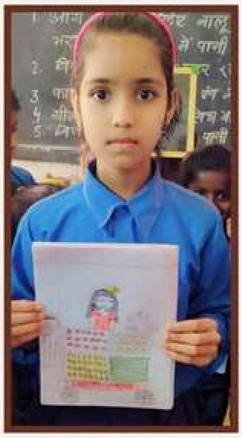

NPS सुखासन उत्तरी, हरिजन टोला ,मधेपुरा

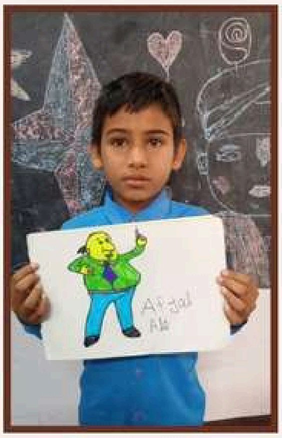

मदरसा फैजआम उर्दू प्रा वि नया बाजार बक्सर

प्रा वि जगरिया, चैनपुर, कैमूर

प्रा वि बैरगाछी कुमारीपुर मनिहारी कटिहार

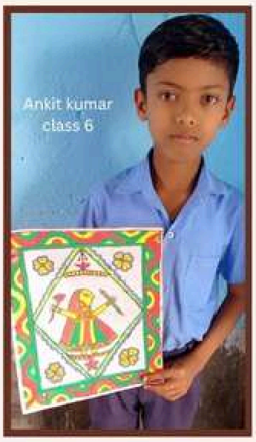

M S Maheshamunda Hindi kahalgaon

उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवडिया चांद, कैमूर

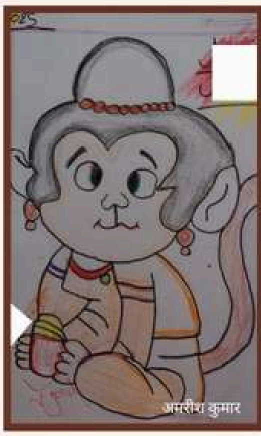

प्रा वि भभुआ,[18] कैमूर

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

बालमन पेंटिंग

भाग-2

प्राथमिक विद्यालय कवई,भभुआ, कैमूर

Ums मानिकपुर,मधेपुरा

Ums मानिकपुर,मधेपुरा

NPS कझार घाट, कुदरा, कैमूर

M S KORAI GARHPURA BEGUSARAI

प्राथमिक विद्यालय बक्सीडीह, फलका,कटिहार

UHS khamhar Bibhutipur samastipur

NPS खुटौना यादव टोला पताही, पूर्वी चंपारण

म वि छत्रपुर, रामगढ़ , kaimur

बालमन पेंटिंग

भाग-3

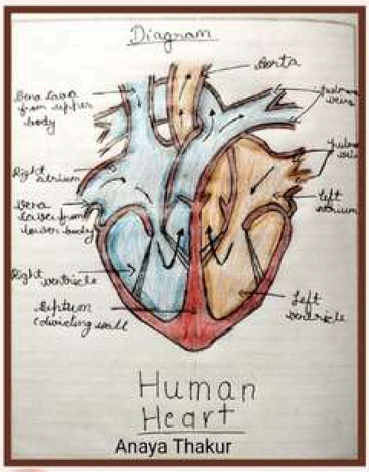

Anaya Thakur
Class 5. Bhagalpur

UMS मानिकपुर, मधेपुरा

प्राथमिक शाला हरदी
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

NPS हरनाटाड,
भभुआ, कैमूर

प्रा वि प्रखंड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ, पटना

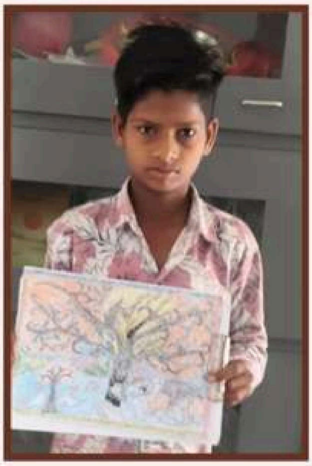

म वि कासमा रफीगंज
औरंगाबाद

शासकीय प्राथमिक शाला हरदी
* विकासखंड - बिल्हा
* जिला - बिलासपुर छत्तीसगढ़

प्राथमिक विद्यालय नावानगर, कोचस,रोहतास

म वि दाऊद छपड़ा मीनापुर
मुजफ्फरपुर

एसरा (एक कराटे गोल्ड मेडलिस्ट)

एक सुंदर सा सहर समरकंद मे , एक लड़की एसरा खान अपने मम्मी - पापा और अपने बड़े भाई के साथ , उज्बेकिस्तान मे रहती थी। जिसे पढ़ाई के साथ खेलकूद का भी बहुत शौक था । उस की अधिक रूची कराटे मे थी ।

बचपन मे ही उसे हार्ट की बीमारी हो गई थी । तकरीबन जब वह 9 या 10 साल की थी । हालाँकि उसकी बीमारी का इलाज सालो से चलता आ रहा था । फिर भी उसकी हालत मे कोई सुधार नहीं दिख रहा था।

परंतु पहले से उसकी स्वास्थ्य मे काफी बदलाव था । यह देखकर उसकी मम्मी सिड्रा खान ने अपनी बेटी की पढ़ाई और कराटे क्लास को फिर से शुरू करने को कहा । जैसा की उस की माँ ने कहा । वह अपनी 10वी कक्षा के अंतिम परिक्षा मे बहुत ही अच्छे अंको से मुकम्मल कर ली थी। आगे की पढ़ाई और कैरियर के लिए उस ने पापा से सलाह ली थी ।

उस के बाबा आसिम खान को और उस की बेटी का भी यह ही इच्छा था की वह अपनी कैरियर कराटे मे बनाए। परंतु खराब स्वास्थ्य होने के कारण से एसरा की कोच ने क्लास करने से मना कर दिया । कोच के मना करने के बाद उस की स्वास्थ्य ओर भी खराब हो गई । यह सोच कर की अब वह अपनी मनपसंद स्पोर्ट्स नही खेल सकेगी ।

उस वक्त उसका भाई अबान खान बजार से आया हुआ था । अपनी बहन को रोता देख वह परेशान हो गया । उसने अपनी बहन से पूछा की "तुम क्यों रो रही हो ?" उस की बहन अपनी आशु पोछते हुए जवाब दिया की " मैं अब कराटे नही खेल सकूंगी ।

उस के भाई ने उसे प्रोत्साहित करते हुए कहा की " किस ने कहा की तुम नही खेल सकती ?" तुम जरूर खेलोगी , मैं तुम को कराटे सिखाऊंगा । और उस के भाई ने कहा तुम अपनी लापरवाही की वजह से अपनी खराब सेहत से झुंझ रही हो , अपने माँ - बाप की नाफरमानी की वजह से । अगर तुम शुरू से ही अपने खाने - पीने मे ध्यान देती और साग - सब्जियां खाती तो आज यह दिन नही देखना पड़ता ।

यह सब कहे कर उस का भाई उसे 2 - 3 दिनो मे कराटे सिखाने वाला था । उस से पहले वह चाहता था कि उसकी बहन स्वास्थ हो जाए। इसलिए वह फिर उसे डाइट प्लान बताया जिस मे उस ने खाने के कुछ भोजन का ना बताया जैसे कि हरा साग - सब्जीयां हमारे शरीर मे विटामिन , मिनरल्स , पाचन मु सुधार जैसे समस्या मे मदद करती है । खासकर हार्ट के बीमारी के लिए टमाटर , पाला , गाजर , बीन्स , ब्रोकली , लहसुन और प्याज जो की रक्त वाहिकाओं को स्वास्थ रखता है । अबान अपनी बहन को कराटे सिखाना शुरू कर देता है ।

देखते - देखते 1साल बीत जाता है। और कराटे का फाइनल राउंड शुरू हो जाता है । जिस मे उस की बहन एसरा का भी नाम था । वह बहुत जोश और ऊर्जा के साथ खेलती है और जीती है । अब एसरा खान एक कराटे गोल्ड मेडलिस्ट बन गई थी ।

नाम - अक्स नाज ,कक्षा - 11
ठाकुरगंज,किशनगंज, बिहार

बालमन

एक तरफ से दूसरे तरफ

दोनों को एक दूसरे से मिलाने में मदद करे

यदि आपको सही रास्ता मिल जाएं तो आप हमे 9431680675 पर भेज सकते हैं।

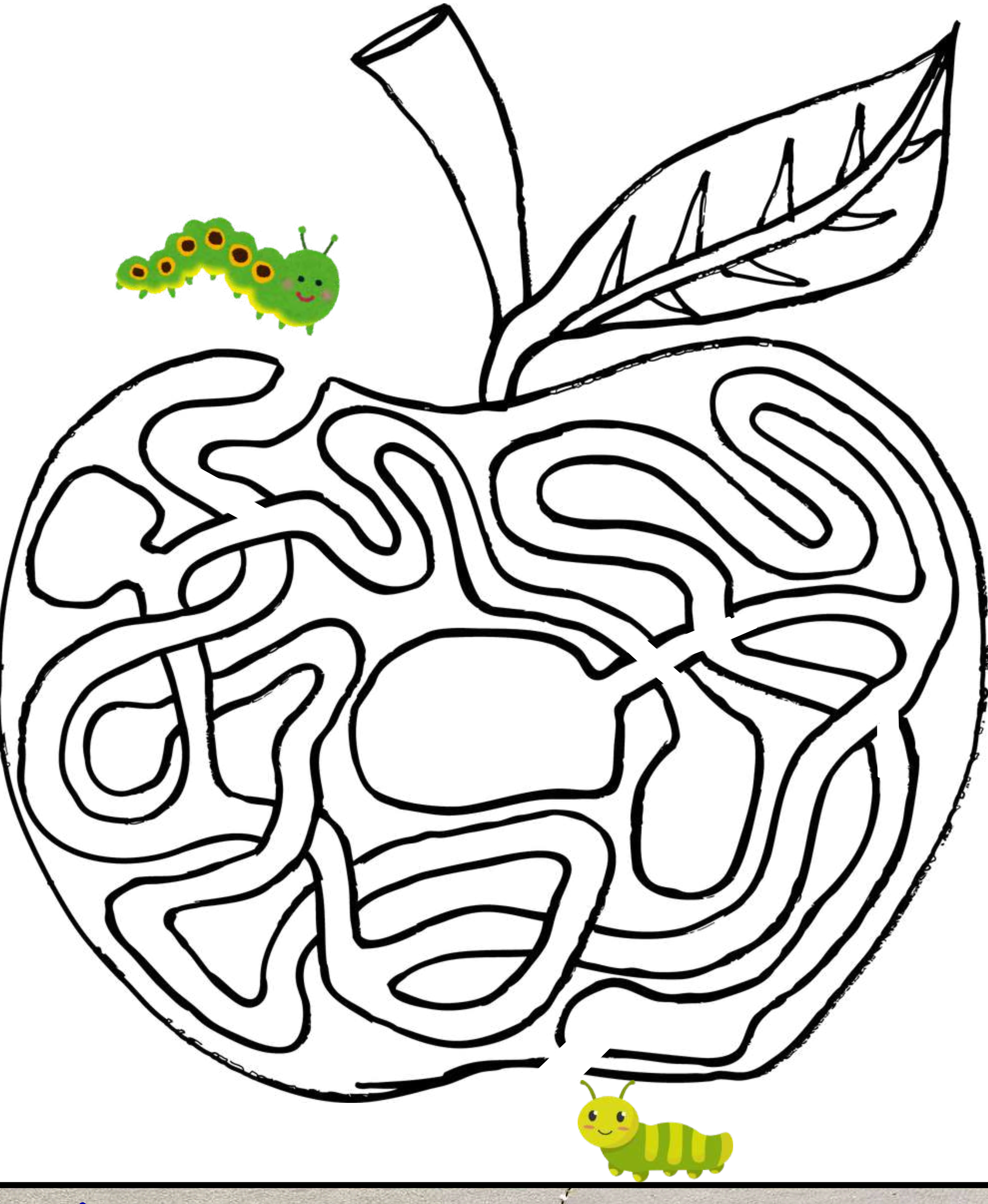

बालमन

नन्हें कलाकार

भाग-1

UMS छोटका कटरा मोहनियां, (कैमूर)

Ms jagjeevan ashram madhepura

UMS मानिकपुर मधेपुरा

प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर छत्तीसगढ़

NPS बलरा दुसाध टोली बरौली, गोपालगंज

प्राथमिक विद्यालय प्रखण्ड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

प्राथमिक विद्यालय प्रखण्ड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

NPS कझार घाट, कुदरा, कैमूर

माह-ए-रमज़ान

माह-ए-रमज़ान की फजीलत।।

माह-ए-रमज़ान रहमत, बरकत और इबादत का पवित्र महीना है।

यह महीना हमें सब्र, संयम और आत्म-अनुशासन सिखाता है।

रमज़ान में मुसलमान रोज़ा रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं।

इसी महीने में पवित्र कुरआन नाज़िल हुआ था।

रोज़ा हमें गरीबों और जरूरतमंदों का दर्द समझना सिखाता है।

इस महीने में ज़कात और सदक़ा देना बहुत पुण्य का काम माना जाता है।

रमज़ान हमें बुराइयों से दूर रहकर अच्छे काम करने की प्रेरणा देता है।

यह महीना भाईचारे, प्रेम और इंसानियत का संदेश देता है।

रमज़ान के अंत में खुशी का त्योहार ईद-उल-फितर मनाया जाता है।

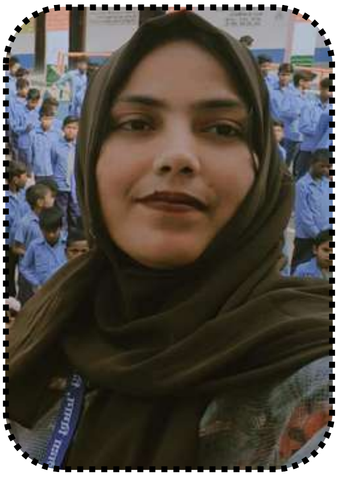

शबनम खातून
उत्क्रमित. मध्य. विद्यालय फुलवरिया
घंघटी चकिया (पूर्वी चंपारण)

बालमन

नन्हें कलाकार

भाग-2

NPS कझार घाट
कुदरा, कैमूर

UMS Manikpur
Madhepura

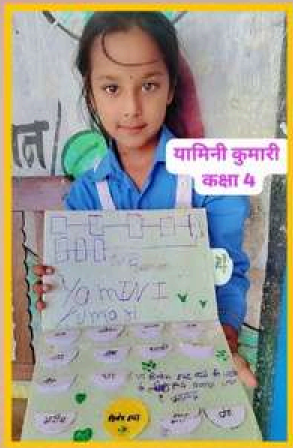

मध्य विद्यालय
गौसाघाट दरभंगा

प्राथमिक विद्यालय माही
साइडिंग, सारण

प्राथमिक विद्यालय बक्सीडीह फलका कटिहार

UMS Khamhar Bibhutipur
Samastipur

मध्य विद्यालय कोआही
रुन्नीसैदपुर, सीतामढ़ी

न्यू प्राथमिक विद्यालय हसनपुरा, भभुआ, कैमूर

NPS हरनाटाड,
भभुआ, कैमूर

UMS मानिकपुर
मधेपुरा

बालमन कविता

स्त्री को मौके चाहिए

स्त्री को सलाह नहीं..मौके चाहिए
उसे सीमाएं बताने वाले नहीं..
उम्मीद जगाने वाले चाहिए।
उसे मायके से ससुराल और ससुराल
से श्मशान मात्र का सफर दिखाने
वाले नहीं..
बल्कि धरती से सागर और सागर से
अम्बर तक उड़ना सिखाने वाले
चाहिए।
तुम ये कर सकती हो और ये नहीं..ये
बताने वाले नहीं
बल्कि ये एहसास कराने वाले चाहिए
कि, "दृढ़ इच्छा हो तो स्त्री सबकुछ
कर सकती है।"
अगर इस सफ़र में कोई साथ न भी
दे तो ,स्त्री अकेली ही संपूर्ण है।
क्योंकि "स्त्री कमज़ोर नहीं ,एक
शक्ति है।

दीप्ति सिंह(शिक्षिका)
राजकीयकृत मध्य विद्यालय चांद
जिला -कैमूर

बिहार
समय की धड़कनों में

जहां भागीरथी की धारा इतिहास सुनाती है,
वहीं मिट्टी भी स्वर्णिम गाथा गुनगुनाती है।
नालंदा की बुझी हुई आग़ फिर से जगमगाएगी,
ज्ञान की ज्योति विश्व में फैल जाएगी।

अशोक की धरती , बुद्ध का संदेश,
यहीं से शुरू हुआ मानवता का परिवेश।
वीरों की गाथाएं हवा में घुली हुई,
संघर्ष की आग़ अब भी जली हुई।

कभी अंधेरों ने राहों को रोक लिया,
पर हौसलों ने हर ताला तोड़ दिया।
आज का बिहार कदम बढ़ा रहा है,
नवाचार से भविष्य गढ़ा रहा है।

खेतों में पसीना, आंखों में स्वप्न,
युवा के सीने में धधकता है तप।
महिला सशक्त हो, शिक्षा का विस्तार,
बदलेगा तभी यह सारा संसार।

क़ारखाने की ध्वनि गूंजे हर गांव तक,
तकनीक पहुंचे हर एक छांव तक।
ग़रीबी की जंजीरें टूटेंगे ज़रूर
तभी होगा अपने बिहार पर गुरुर।

मुझे न केवल अतीत पर गर्व रहेगा,
बल्कि वर्तमान भी स्वाभिमान कहेगा।
बिहार का भविष्य स्वयं लिखेंगे हम,
परिश्रम से भाग्य बदलेंगे हम।

उज्जवल विचार, उन्नत बिहार,
यही हमारा संकल्प अपार।
गंगा साक्षी है, आकाश पुकार,
फिर से चमकेगा अपना बिहार।

संगीता कुमारी
प्रधान शिक्षिका
न्यू प्राथमिक विद्यालय भनखनपुर,
मोहनिया कैमूर।

हँसी के 😆 हसगुल्ले

अरविंद कुमार(शिक्षक)
NPS हसनपुरा, भभुआ
(कैमूर)

शिक्षक: बताओ, पानी का फॉर्मूला क्या है?
छात्र: सर, H-I-J-K-L-M-N-O
शिक्षक: यह क्या है?
छात्र: सर, H से O तक... मतलब H2O

शिक्षक: तुम रोज़ स्कूल देर से क्यों आते हो?
छात्र: सर, रास्ते में बोर्ड लगा है –
"आगे स्कूल है, धीरे चलें।"

शिक्षक: बताओ, 2 और 2 कितने होते हैं?
छात्र: सर, अगर कॉपी में लिखना हो तो 4,
और अगर पापा से पैसे लेने हों तो 22!

बालमन

रोचक गणित

9 का जादू

किसी भी संख्या को 9 से गुणा करें और उसके अंकों को जोड़ें, अंत में 9 ही मिलेगा।

उदाहरण:

$9 \times 7 = 63 \rightarrow 6 + 3 = 9$

$9 \times 123 = 1107 \rightarrow 1 + 1 + 0 + 7 = 9$

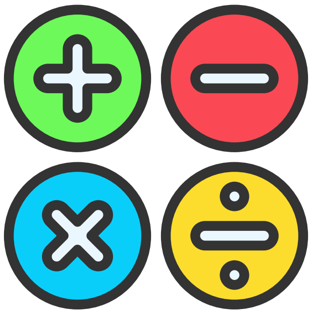

1089 का कमाल

किसी 3 अंकों की संख्या लें (जैसे 532)

उसे उल्टा करें (235)

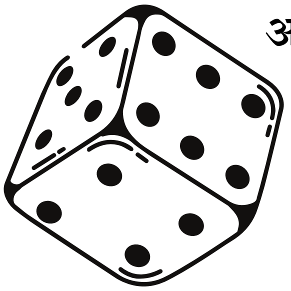

अब दोनों का अंतर निकालें: $532 - 235 = 297$

फिर उसे उल्टा जोड़ें: $297 + 792 = 1089$

लगभग हर बार उत्तर 1089 ही आता है!

11से गुणा करने की ट्रिक

किसी भी 2 अंकों की संख्या को 11 से गुणा करने का आसान तरीका:

उदाहरण: 23×11

= 2 _ 3

बीच में जोड़ें: $2+3 = 5$

उत्तर-- 253

1से 100 तक जोड़ने का जादू

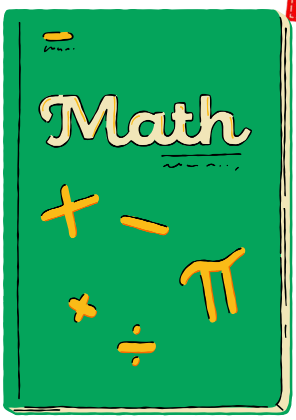

$1 + 2 + 3 + \dots + 100 = ?$

तरीका:

$(100 \times 101) \div 2 = 5050$

142857 का रहस्य

142857 को 2, 3,4,5,6 से गुणा करें:

हर बार वही अंक घूमेंगे!

जैसे:

$142857 \times 2 = 285714$

$142857 \times 3 = 428571$

यह एक cyclic number है!

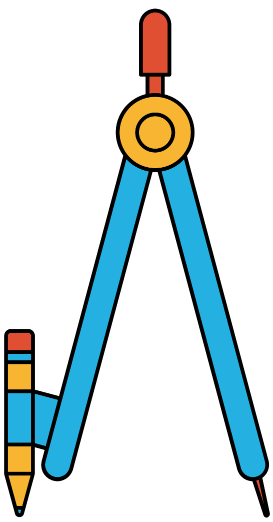

कुमार राकेश मणि
(प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा,
नुआंव(कैमूर) बिहार

पेन और पेंसिल आर्ट

बालमन

UMS TARANIA CHAKIA EAST CHAMPARAN

NPS SUKHASAN NORTH HARIJAN TOLA MADHEPURA

कक्षा षष्ठ के छात्र आदित्य राज
मध्य विद्यालय मसदी पूर्व सुलतानगंज

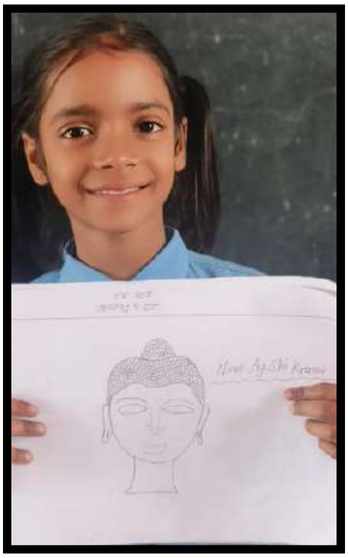

मध्य विद्यालय दाऊद छपड़ा मीनापुर,मुजफ्फरपुर

मध्य विद्यालय जगजीवन आश्रम, मधेपुरा

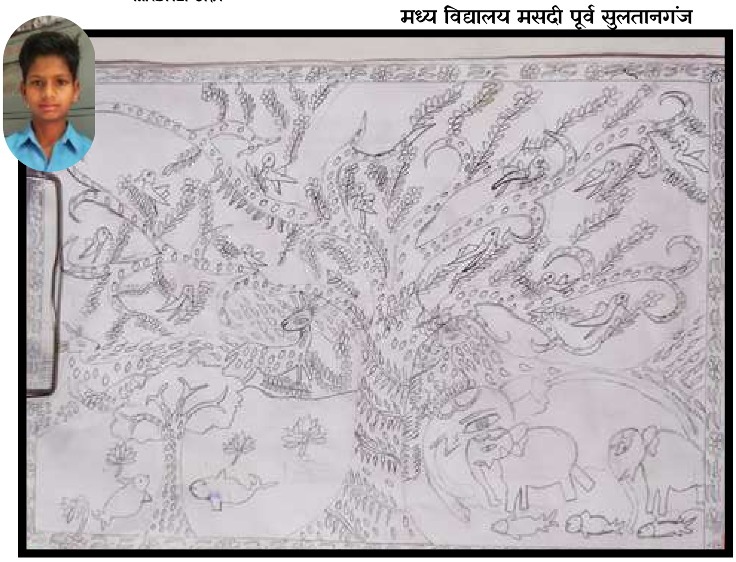

अमन कुमार वर्ग 7 मिडिल स्कूल कासमा रफीगंज औरंगाबाद

sonakshi kumari class 8 middle school maheshaamunda hindi kahalgaon Bhagalpur

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ पटना

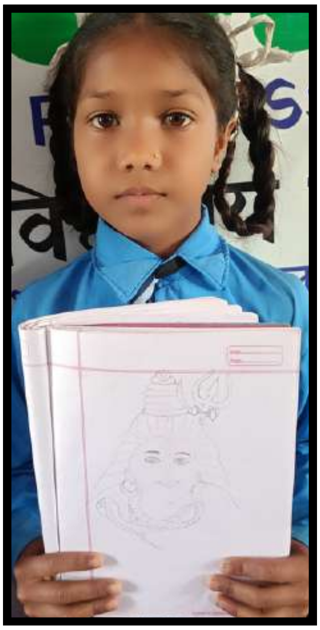

शिवानी कुमारी, वर्ग 5 न्यू प्राथमिक विद्यालय हरनाटांड़, भभुआ, कैमूर

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

राकेश कुमार

stay safe

माह: MARCH 2026

प्रथम शनिवार दिनांक 07.03.2026	अगलगी से खतरे एवं बिजली के घात से बचाव के संदर्भ में जानकारी।
द्वितीय शनिवार दिनांक 14.03.2026	चक्रवाती तूफान / आँधी से खतरे एवं इससे बचाव के बारे में जानकारी
तृतीय शनिवार दिनांक 21.03.2026	भूंकप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)
चतुर्थ शनिवार दिनांक 28.03.2026	मस्तिष्क ज्वर, AES/JE से बचाव के बारे में जानकारी

माह: April 2026

प्रथम शनिवार दिनांक 04.04.2026	अगलगी से खतरे एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी
द्वितीय शनिवार दिनांक 11.04.2026	बाल प्रेरकों का चयन, हजार्ड हट एवं विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति का गठन / पुनर्गठन एवं योजना का निर्माण
तृतीय शनिवार दिनांक 18.04.2026	लू से बचाव की जानकारी
चतुर्थ शनिवार दिनांक 25.04.2026	अगलगी से खतरे एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

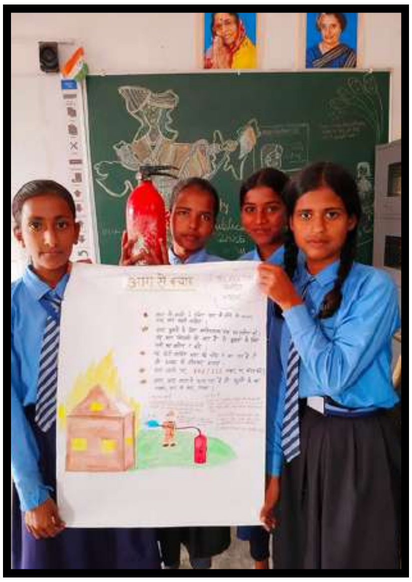

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय सैनो , जगदीशपुर,भागलपुर

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक, बरारी, कटिहार

बालमन कार्टून स्टोरी

प्राथमिक कक्षा की पढ़ाई के बाद सपना अपनी मां से पढ़ाई के लिए बात करती है।

अगले दिन....

कुछ दिनों के बाद पूर्व के स्कूल की शिक्षिका द्वारा वार्तालाप

माँ के समझ में आने पर सपना की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा।

चित्रकार :कुमारी कांति

संवाद : धीरज कुमार

ब्लैक बोर्ड आर्ट

बालमन

मदरसा फैजआम उर्दू प्राथमिक विद्यालय नया बाजार बक्सर

मध्य विद्यालय सिमराहा, फ़ारबिसगंज, अररिया

मध्य विद्यालय बेलगोपी गायघाट, मुजफ्फरपुर

UMS हरिहरपुर, भभुआ, कैमूर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुलिया लदनियां जिला मधुबनी

NPS बलरा दुसाध टोली, बरौली, गोपालगंज

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मटियारा, कोईलवर, भोजपुर।

प्राथमिक विद्यालय भभुआ 18,कैमूर

आरण्य देवी मन्दिर

कुमार राकेश मणि

आरण्य देवी मंदिर भोजपुर/आरा जिले में पूर्वी-उत्तरी छोर पर स्थित है। इसी मंदिर के नाम पर इस शहर का नाम आरा पड़ा है। इस मंदिर को 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। इसी मंदिर के नाम पर इस शहर का नाम आरा पड़ा। आरा शहर में यह मंदिर आस्था का प्रतीक माना जाता है और नगर की अधिष्ठात्री देवी के रूप में इनको पूजा जाता है। मंदिर का संबंध रामयाण और महाभारत काल से भी जुड़ा है। पहले मंदिर के चारो ओर वन था, जहां पांडव वनवास के दौरान आरा में ठहरे थे।

प्राचीन समय में गंगा और सोन नदी के संगम पर अरण्य वन था। अरण्य का अर्थ होता है जंगल, घने जंगल में स्थापित यह शक्ति पीठ भी है और सिद्धपीठ भी। भारत का ये अद्वितीय स्थल भक्तों की मनोकामना पूरी करने के लिए जाना जाता है।

मंदिर में दो मूर्तियां स्थापित हैं, जिनमें से छोटी मूर्ति मां भगवती की है जिन्हें आदि शक्ति के नाम से जाना जाता है, कहते हैं कि मां भगवती सतयुग में अवतरित हुईं और ये उनकी स्वयंभू पीठ है।

जबकि बड़ी मूर्ति मां अरण्य देवी की है, माना जाता है अरण्य देवी के मंदिर की स्थापना द्वापर युग में धर्मराज युधिष्ठिर ने की। मंदिर में स्थापित ये मूर्तियां शिव शक्ति स्वरूप में हैं। यानी यहां पर शिव और शक्ति दोनों का वास है। सोमवार और शुक्रवार को मंदिर में पूजन की विशेष मान्यता है। चतुर्दशी को, अमावस्या , पूर्णिमा आदि तिथियों पर यहां भक्त विशिष्ट पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। मंदिर में अरण्य देवी के अलावा कई देवी देवताओं की प्रतिमाएं हैं।

वैसे तो माता के मंदिर में सालभर भक्तों की भीड़ लगी रहती है लेकिन नवरात्रि के समय देश-विदेश से यहां भारी संख्या में भक्त दर्शन के लिए आते हैं। माता के मंदिर में जो भी भक्तगण सच्चे मन से मन्नत मांगते हैं, उनकी मनोकामना जरूर पूरी होती है। जब उनकी मनोकामना पूरी हो जाती है तब माता का श्रृंगार करवाते हैं। नवरात्रि के दौरान यहां विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और मंदिरों के सजाने के लिए देश के अन्य हिस्सों से फूलों को मंगवाया जाता है और सजाया जाता है।

गुणकारी फल

खरबूजा

खरबूजा (Muskmelon) गर्मियों का एक अत्यधिक पौष्टिक और ताज़ा फल है, जिसमें लगभग 90% पानी होता है। यह शरीर को ठंडक देने, डिहाइड्रेशन से बचाने, पाचन सुधारने और कब्ज से राहत दिलाने में बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिन A, C, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो इम्युनिटी बढ़ाते हैं।
खरबूजा एक मीठा और ताज़ा फल है जिसमें पानी और फाइबर की मात्रा अधिक होती है, और यह कई महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर होता है। नतीजतन, खरबूजा खाने से कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं, क्योंकि इसमें विटामिन भरपूर मात्रा में होते हैं जो आँखों के लिए बहुत फ़ायदेमंद होते हैं। त्वचा, और यहां तक कि गुर्दे जैसे आंतरिक अंग भी।
आयुर्वेद में बताया गया है कि खरबूजा शरीर को सशक्त बनाने वाला फल है जिसमें तत्व कैल्शियम, लौह, विटामिन ए और विटामिन सी अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसके साथ ही खनिज लवण की भी इसमें प्रचूरता होने से यह स्कर्वी जैसे रोगों से शरीर की रक्षा करता है। पुराने उकवत या एक्जीमा से पीड़ित रोगी के लिए यह बहुत लाभदायक है। खरबूजे के फलों का सेवन मूत्र विकार संबंधी रोगों में लाभकारी होता है। त्वचा रोग एक्जिमा में इसके फलों का रस लगाना लाभकारी होता है। पौष्टिक होने के बाद भी खरबूज में कैलोरी काफी कम होती है।
कम कैलोरी और लगभग बिना वसा वाली सामग्री के साथ, खरबूजा गर्मियों के दौरान आनंद लेने के लिए सबसे अच्छे फलों में से एक है।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव (कैमूर)

एक नजर इधर भी...

WOW!

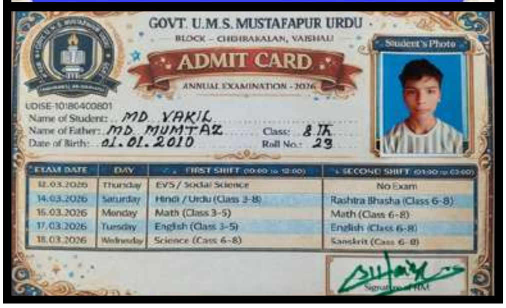
GOVT. U.M.S. MUSTAFAPUR URDU
BLOCK – CHEHRAKALAN, VAISHALI
ADMIT CARD
ANNUAL EXAMINATION - 2026
Student's Photo
UDISE-10180400801
Name of Student: MD. VAKIL
Name of Father: MD. MUMTAZ Class: 8 th
Date of Birth: 01.01.2010 Roll No.: 23

EXAM DATE	DAY	FIRST SHIFT (09:00 to 12:00)	SECOND SHIFT (01:00 to 03:00)
12.03.2026	Thursday	EVS / Social Science	No Exam
14.03.2026	Saturday	Hindi / Urdu (Class 3-8)	Rashtra Bhasha (Class 6-8)
16.03.2026	Monday	Math (Class 3-5)	Math (Class 6-8)
17.03.2026	Tuesday	English (Class 3-5)	English (Class 6-8)
18.03.2026	Wednesday	Science (Class 6-8)	Sanskrit (Class 6-8)

Signature of HM

मध्य विद्यालय सिमराहा,फ़ारबिसगंज, अररिया

प्रिंटेड एडमिड कार्ड,UMS चंदा , चांद, कैमूर

छठ पूजा special, JUHS खम्हार विभूतिपुर समस्तीपुर

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर,रोसड़ा,पूर्णिया

नव.प्रा.वि.सदाटोल ईमादपुर गढ़पुरा, बेगूसराय

कोचस, रोहतास

प्राथमिक विद्यालय प्रखंड कॉलोनी फुलवारीशरीफ, पटना

मध्य विद्यालय गौसाघाट, दरभंगा

NPS ढढणिया, भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय दाऊद छपड़ा मीनापुर, मुजफ्फरपुर

कहना जरूरी हैं....

शिक्षक हमारे जीवन के सबसे महत्वपूर्ण मार्गदर्शक होते हैं। वे केवल हमें पढ़ना-लिखना ही नहीं सिखाते, बल्कि सही और गलत में अंतर समझाते हैं और हमें एक अच्छा इंसान बनाते हैं।

शिक्षक समाज के निर्माणकर्ता होते हैं। एक अच्छे शिक्षक के बिना न तो एक अच्छा छात्र बन सकता है और न ही एक सशक्त समाज। वे अपने ज्ञान और अनुभव से छात्रों का भविष्य उज्ज्वल बनाते हैं।

हमारे जीवन में माता-पिता के बाद शिक्षक का स्थान बहुत ऊँचा होता है। जहाँ माता-पिता हमें जीवन देते हैं, वहीं शिक्षक हमें जीने की सही दिशा दिखाते हैं। वे हमें अनुशासन, मेहनत और ईमानदारी का महत्व सिखाते हैं।

एक शिक्षक हमेशा अपने छात्रों की सफलता चाहता है। वह दिन-रात मेहनत करके हमें बेहतर बनाने का प्रयास करता है। चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी हों, शिक्षक हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।शिक्षक हमें गिरने पर संभालते हैं, हारने पर हिम्मत देते हैं और जीतने पर सही रास्ता दिखाते हैं।

इसीलिए कहा गया है—

"गुरु बिना ज्ञान नहीं, और ज्ञान बिना जीवन अधूरा है।"

“गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूँ पाय,
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।

अंत में, हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए और उनके बताए रास्ते पर चलकर अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव (कैमूर)

बालमन यूनेस्को

विश्व के धरोहर

धौलवीरा

धौलावीरा , गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है, जो विश्व प्रसिद्ध सिंधु घाटी सभ्यता का एक प्रमुख स्थल है। इसे हाल ही में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है, जिसने इसके महत्व को और भी बढ़ा दिया है। धोलावीरा न केवल प्राचीन भारतीय पुरातत्व का एक अमूल्य ख़ज़ाना है, बल्कि यह संस्कृति और इतिहास के अध्ययन के लिए एक अद्वितीय स्थल भी है।

धोलावीरा की सांस्कृतिक महत्ता और ऐतिहासिक महिमा इसके वास्तुशिल्प और नगर नियोजन में निहित है, जो कि सिंधु घाटी सभ्यता की उन्नत और व्यवस्थित जीवन शैली को प्रदर्शित करते हैं। इस स्थल पर पाए गए महत्वपूर्ण अवशेषों में, मुद्राएँ, वेदियाँ, और अन्य कलात्मक वस्तुएँ शामिल हैं, जो उस युग की कलात्मकता और शिल्प कौशल को दर्शाती हैं। ये खोजें धोलावीरा को न केवल एक प्राचीन नगरी के रूप में, बल्कि एक महत्वपूर्ण शैक्षिक और अनुसंधान केंद्र के रूप में भी महत्व देती हैं।

धौलिवीरा गुजरात के कच्छ (खदिर का शुष्क द्वीप) में स्थित है, यह एक महत्त्वपूर्ण पुरातात्त्विक स्थल है जहाँ 3000 ईसा पूर्व से 1800 ईसा पूर्व तक लोग निवास करते थे। इसकी खोज वर्ष 1968 में जगतपति जोशी ने की थी। यह सिंधु घाटी सभ्यता का पाँचवाँ सबसे बड़ा स्थल है और दो मौसमी नदियों, मानसर और मनहर के बीच स्थित है।पुरातात्त्विक खोजों में टेराकोटा मृदभांड, मुहरें, आभूषण और धातु विज्ञान के साक्ष्य शामिल हैं। यह ताँबे, आभूषण और लकड़ी का व्यापार केंद्र था, जहाँ सिंधु घाटी लिपि में अभिलेख अंकित थे। घटनास्थल पर कोई मानव अवशेष नहीं मिला है। धौलावीरा में एक किलेबंद महल, मध्य और निचले शहर और एक कब्रिस्तान सहित एक चारदीवारी वाला शहर है। इसकी उन्नत जल व्यवस्था में 16 जलाशय और बावड़ियाँ शामिल हैं। इसे वर्ष 2021 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

अगर वास्तव में भारत की प्राचीन सभ्यताओं की गहराइयों में झांकना है और इतिहास की उन गलियों में विचरण करना है जहां समय के साथ सभ्यताएँ पनपीं और विकसित हुईं, तो धोलावीरा एक अनुपम गंतव्य हो सकता है। यहाँ का हर पत्थर, हर स्थान अपने आप में एक कहानी समेटे हुए है जो आपको उस युग में ले जाएगा जब मानव सभ्यता अपने चरम पर थी।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव, कैमूर

बालमन

बोलती तस्वीरें Part 1

धीरज कुमार+पुष्पा प्रसाद

"नामांकन अभियान" राजकीय माध्यमिक विद्यालय अजराना खुर्द जिला-कुरुक्षेत्र (हरियाणा)

NPS निर्बिसपुर, रामपुर, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला मजगामा कस्बा पूर्णिया

मध्य विद्यालय सिमराहा, फ़ारबिसगंज, अररिया

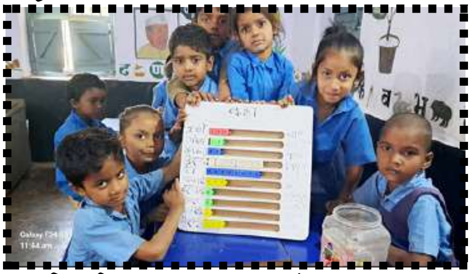

प्राथमिक विद्यालय मलमला, शाहकुंड, भागलपुर

NPS बलरा दुसाध टोली बरौली गोपालगंज

प्राथमिक विद्यालय घोसवरी, मोकामा, पटना

NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट, गोपालगंज

प्रिंटेड एडमिड कार्ड,बुनियादी विद्यालय आईलाय,चांद कैमूर

बालमन QUIZ TIME

१.प्रश्न: बिहार दिवस कब मनाया जाता हैं?

क. 28 अप्रैल ख. 24 मार्च ग. 28 फरवरी घ. 22 मार्च

२.प्रश्न: निम्न में किसे भारत की दूध की बाल्टी कहते हैं ?

क. उत्तर प्रदेश ख. केरल

ग. तेलंगाना घ. झारखंड

३.प्रश्न: अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) का मुख्यालय कहां है ?

क. जिनेवा ख.द हेग

ग. नई दिल्ली घ. शंघाई

४.प्रश्न:"जियो और जीने दो" का नारा किसने दिया था?

क. गौतम बुद्ध ख. गुरु गोविंद सिंह

ग. भगवान महावीर स्वामी घ. महर्षि अरविंद

सही उत्तर: १. घ,२. क, ३.ख ,४. ग

दिमाग की बत्ती जलाओ

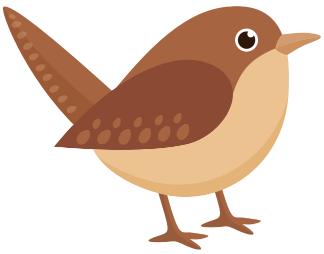

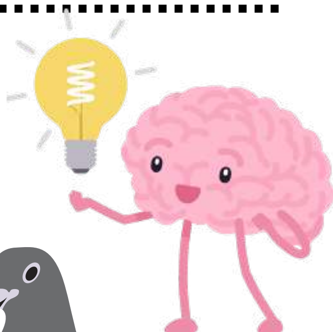

१ रुपये की ४० चिड़िया

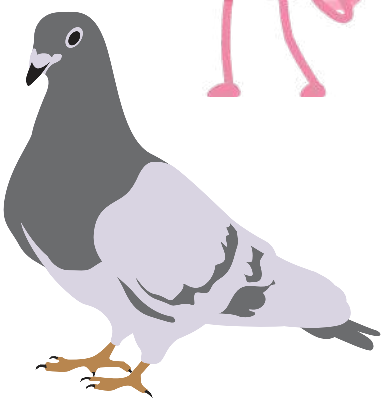

३ रुपये का १ कबूतर

५ रुपये का १ मुर्गा

बताओ १०० रुपये में १०० पक्षी कैसे आएंगे

सही उत्तर: ₹100 में 100 पक्षी पाने के लिए, आपको 19 मुर्गे (₹95), 1 कबूतर (₹3), और 80 चिड़िया (₹2) खरीदनी होंगी। यह कुल ₹100 में 100 पक्षियों (19+1+80) का सटीक समाधान है:

बूझो तो जानें

THINK

पहेली संख्या 1

मैं एक पवित्र रिश्ते की डोर हूं।
मुझे उलटा करो मैं एक सब्जी बन
जाऊंगी
बूझो मैं कौन हूं?

सही उत्तर : राखी

पहेली संख्या 2

मुझमें है पान,मुझमें है जान।
मै एक देश हूं,जल्दी बताओं
मेरा नाम।

सही उत्तर : जापान

पहेली संख्या 3

थोड़ी सी गर्मी बर्दाश्त नहीं करती
लजा कर पानी की तरह पिघल जाती है।
स्वभाव ही है मेरा ऐसा की दूसरे को
ठंडक पहुंचती हैं।

सही उत्तर : बर्फ

पहेली संख्या 4

मैं हूं तो तुम हो, सारा संसार है
वरना तो सारी दुनिया मेरे बिन
रेगिस्तान है।

सही उत्तर : पानी की बूंद

बालमन

बोलती तस्वीरें

part 2

पुष्पा प्रसाद

प्राथमिक विद्यालय महीनाथपुर, झंझारपुर, मधुबनी

राजकीय प्राथमिक नौला, मुसहरी, वीरपुर, बेगूसराय

राजकीय मध्य विद्यालय जगिरहां, पश्चिमी चंपारण

राजकीय पर्दा कन्या मध्य विद्यालय आरा, भोजपुर

प्राथमिक विद्यालय मोगलवा, झाझा, जमुई

मध्य विद्यालय मलहरिया, समेली, कटिहार

मध्य विद्यालय जुआफर, भगवानपुर हाट, सिवान

बालमन कविता

चलो पढ़ने चले

चलो पढ़ने हम सब जाएँ,
ज्ञान की ज्योति जलाएँ।
शिक्षा है सबसे बड़ा धन,
मिलकर आगे बढ़ जाएँ॥

किताबें अपनी सखी हमारी,
कॉपी-कलम है शक्ति हमारी।
सीख-सीख कर आगे बढ़ें हम,
यही पहचान हमारी॥

चलो पढ़ने हम सब जाएँ...

अज्ञानता का तम मिटाएँ,
नई रोशनी घर-घर लाएँ।
हर बच्चा स्कूल में आए,
यह संदेश हम फैलाएँ॥

मेहनत से हम सपने सजाएँ,
सच्चाई की राह अपनाएँ।
शिक्षा से ही ऊँचा होगा,
अपने भारत का नाम बढ़ाएँ॥

हम नन्हें कल के निर्माता,
देश के भाग्य विधाता हैं।
शिक्षा ही हमारा संकल्प है,
हम भारत की आशा हैं॥

विनोद कुमार चौरसिया
(प्रधान शिक्षक)
प्रा.वि. लखमनपुर, चैनपुर, कैमूर

बचत हमारा सच्चा साथी

आओ बच्चों जाने हम आज
क्या है छोटे-छोटे बचत का राज!

पैसा है बड़ा ही अनमोल
करो ना खर्च इसे बेफिजूल ।

आज बचाओ थोड़ा-थोड़ा
कल में होगा खूब सहारा

पहले जरूरत पूरी अपनी करना
फिर इच्छाओं को तुम चुनना ।

गुल्लक में डालो रोज कुछ सिक्का
भविष्य में होगा बड़ा काम इसका

एक एक रुपया मिलकर ही बनता
एक समय पर बहुत सारा ही धन

जो बच्चा सीखा बचत गुण स्वभाव
कभी ना होगा उसे पैसे का अभाव

अमृता कुमारी(शिक्षिका)
UHS बसंतपुर, सुपौल (बिहार)

बालमन

चेतना सत्र

मध्य विद्यालय महेशमुंडा हिंदी
जिला भागलपुर

मध्य विद्यालय सिमराहा प्रखंड
फारबिसगंज जिला अररिया

प्राथमिक विद्यालय माहिसेडिंग ,
सोनपुर,सारण

मध्य विद्यालय
जगजीवन आश्रम
मधेपुरा

उत्क्रमित मध्य
विद्यालय
असलान रामपुर
गड़हनी ,भोजपुर

मध्य विद्यालय दुर्गा
स्थान, पूर्णिया

मध्य विद्यालय अरिहाना,आजमनगर(कटिहार)

अभिभावक - शिक्षक संगोष्ठी

बालमन जानकारी

शिक्षक अविभावक गोष्ठी की आवश्यकता क्यों?

विद्यालय शिक्षा का वह पवित्र स्थान है जहाँ बच्चे केवल पाठ्यपुस्तकों का ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला, संस्कार, अनुशासन तथा विभिन्न सामाजिक मूल्यों को भी सीखते हैं। बच्चे के व्यक्तित्व निर्माण में तीन स्तंभ अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं— शिक्षक, अभिभावक और स्वयं विद्यार्थी। इन तीनों के बीच समन्वय और सहयोग की भावना शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाती है। इसी उद्देश्य से विद्यालयों में समय-समय पर शिक्षक–अभिभावक संगोष्ठी (PTM – Parents Teachers Meeting) का आयोजन किया जाता है। यह संगोष्ठी संवाद का वह मंच है ,जहाँ बच्चे के विकास से जुड़े सभी पहलुओं पर खुलकर चर्चा की जाती है।

संगोष्ठी का महत्त्व

** बच्चों की शैक्षणिक प्रगति का मूल्यांकन

अभिभावक अपने बच्चे की पढ़ाई-लिखाई, परीक्षा परिणाम, कक्षा में सक्रियता और विषयों की समझ के बारे में सीधे शिक्षक से जानकारी प्राप्त करते हैं। इससे वे घर में बच्चे को उचित सहयोग दे पाते हैं। कई बार घर और विद्यालय में बच्चे का व्यवहार अलग होता है, ऐसे में शिक्षक और माता-पिता साझा दृष्टिकोण बनाकर बच्चे को सही दिशा दे सकते हैं।

**. समस्याओं का त्वरित समाधान

यदि बच्चे को किसी विषय में कठिनाई हो, सहपाठियों से सामंजस्य न बनता हो, ध्यान एकाग्र न हो या व्यवहार में परिवर्तन दिखाई दे, तो संगोष्ठी में इन समस्याओं का समाधान मिलकर खोजा जा सकता है। इससे बच्चा मानसिक दबाव से बचता है और बिना भय के आगे बढ़ता है।

**शिक्षकों और अभिभावकों के बीच बेहतर संबंध

जब शिक्षक और अभिभावक एक-दूसरे के विचार, सुझाव और अपेक्षाएँ समझते हैं, तो उनके बीच विश्वास और सहयोग की भावना मजबूत होती है। यह संबंध जितना मजबूत होगा, बच्चे का विकास उतना ही बेहतर होगा।

** बच्चों में अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना

बच्चों को यह पता होता है कि शिक्षक और अभिभावक नियमित संपर्क में हैं और उनकी प्रगति पर ध्यान रखा जा रहा है। इससे बच्चों में जिम्मेदारी की भावना बढ़ती है, वे मेहनत करते हैं और अनुशासन का पालन करते हैं।

** विद्यालय की शिक्षण–प्रणाली और गतिविधियों की समझ

अभिभावक विद्यालय में चल रहे शिक्षण-कार्य, पाठ्यक्रम, सह-शैक्षणिक गतिविधियों, खेल, प्रतियोगिताओं और सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हैं। वे विद्यालय की उन्नति के लिए सुझाव भी दे सकते हैं, जिससे शिक्षा का स्तर बेहतर होता है।

** प्रेरणा और उत्साह का स्रोत

जब संगोष्ठी में बच्चे की उपलब्धियों की प्रशंसा की जाती है, तो बच्चे को उच्च प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। यह सम्मान उसे आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से भर देता है।

शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी बच्चों के बेहतर भविष्य हेतु संवाद का सशक्त माध्यम है। यह विद्यालय और घर के बीच पुल का कार्य करती है। इसलिए प्रत्येक विद्यालय में नियमित रूप से इस संगोष्ठी का आयोजन होना चाहिए। साथ ही, अभिभावकों को भी पूरे मन से सहभागिता करनी चाहिए, क्योंकि जब शिक्षक और अभिभावक साथ चलें, तभी बच्चे की सफलता निश्चित होती है।

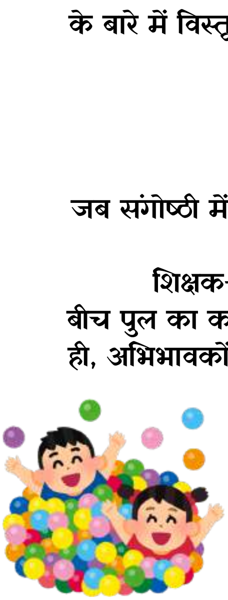

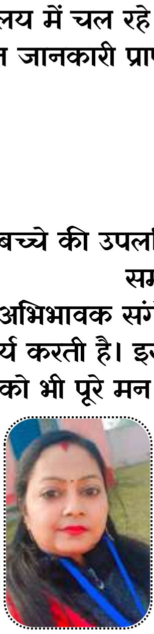

ज्योति कुमारी
प्रधान शिक्षिका
प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला, मजगामा, कस्बा
जिला _पूर्णियाँ

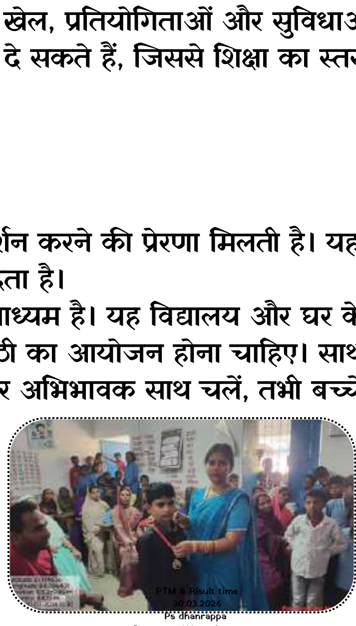

Ps dhanrappa
Ramnagar West champaran

बालमन कविता

पायल शर्मा, कक्षा 7वीं
मध्य विद्यालय चांद,कैमूर(बिहार)

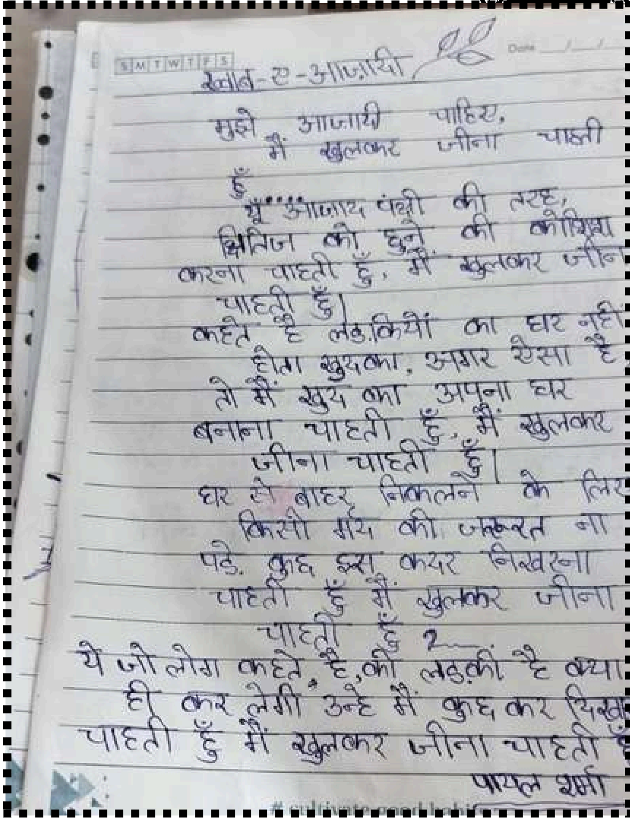

ख्वाब-ए-आज़ादी

मुझे आजादी चाहिए,
मैं खुलकर जीना चाहती
हूँ
यूँ आज़ाद पंछी की तरह,
क्षितिज को छूने की कोशिश
करना चाहती हूँ, मैं खुलकर जीना
चाहती हूँ।
कहते है लड़कियों का घर नहीं
होता खुदका, अगर ऐसा है
तो मैं खुद का अपना घर
बनाना चाहती हूँ, मैं खुलकर
जीना चाहती हूँ।
घर से बाहर निकलने के लिए
किसी संग की जरूरत ना
पड़े, कुछ इस कदर निखरना
चाहती हूँ मैं खुलकर जीना
चाहती हूँ 2
ये जो लोग कहते है, की लड़की है क्या
ही कर लेगी उन्हें मैं कुछ कर दिखाना
चाहती हूँ मैं खुलकर जीना चाहती हूँ

पायल शर्मा

TEACHERS
OF
BIHAR

आओं सीखें

आशा

यह मन की एक सकारात्मक भावना होती हैं । इसमें अनिश्चितता होती है, बस अच्छा होने की उम्मीद रहती है।यह किसी से बंधी नहीं होती, बल्कि भीतर से आती है। यह अक्सर हमें प्रेरणा और साहस देती है।

जैसे :- विद्यार्थी को आशा है कि वह परीक्षा में पास होगा।

अपेक्षा

यह किसी से की गई ठोस उम्मीद होती है। इसमे किसी से निश्चित रूप से कुछ पाने की चाह होती हैं। इसमें अक्सर जवाबदेही जुड़ी होती है यानी जिससे अपेक्षा की जाती है, उससे काम करना ही होगा। अपेक्षा न पूरी होने पर निराशा या शिकायत हो सकती है।

जैसे :- शिक्षक को अपेक्षा है कि विद्यार्थी समय पर गृहकार्य करेंगे।

संक्षेप में :-
- आशा = मन की सकारात्मक उम्मीद (भीतर से आने वाली)
- अपेक्षा = दूसरों से परिणाम की चाह (बाहर से जुड़ी हुई)

बालमन रचनाकार

बिहार (गौरवगाथा)

गंगा की धारा में इतिहास बोलता,
मिट्टी में ज्ञान का दीपक डोलता।
नालंदा की साँसों में उजियारा है,
हर कण में सभ्यता का सितारा है।।

सोन की लहरों में स्वप्न सुनहरे,
कोसी के गीतों में दर्द भी गहरे,
फिर भी मुस्कानें खेतों में उगतीं,
मेहनत की रोटी खुशबू सी बिखरती।।

यह धरती बुद्ध की करुणा का घर,
महावीर का संदेश अजर -अमर,
जन-जन में साहस की ज्योति जले,
संघर्षों से भी उम्मीदें पलें।।

लिट्टी की महक, लोकगीतों की तान,
पग-पग पर संस्कृति का सम्मान,
बिहार, तुम्हारा गौरव अपार,
तुमसे ही उज्ज्वल भारत का द्वार।।

आओ मिलकर प्रण आज करें,
ज्ञान और श्रम का राज करें,।
बिहार दिवस पर यही पुकार
उन्नति से गूँजे हर -घर द्वार।।

गोपाल कौशल भोजवाल
प्राथमिक शिक्षक
नागदा जिला धार
मध्यप्रदेश

सतरंगी उजियारे

आसमान में इंद्रधनुष है,
धरती पर गुब्बारे,
लाल बैंगनी नीले पीले,
सतरंगी उजियारे।

रंग बिरंगे फूल धरा पर,
टिम-टिम करते तारे,
और हमारे बच्चे प्यारे,
सतरंगी उजियारे।

हैं प्रकाश के स्रोत हजारों,
देखो कितने न्यारे,
जगमग रात कर रहे जुगनू,
सतरंगी उजियारे।

कीट-पतंगे, पशु-पक्षी,
जीवन आधार हमारे,
हरे भरे पौधे उपवन के
सतरंगी उजियारे।

सूरज, चाँद, सितारे नभ
के अद्वितीय हरकारे,
और शीत गर्मी वर्षा हैं
सतरंगी उजियारे।

है विशाल उर्वरा धरा यह,
विस्तृत जलधि किनारे,
और कर्म हैं श्रेष्ठ हमारे,
सतरंगी उजियारे।

अद्वितीय निर्झर शिक्षा के,
'अनुपम' ग्रन्थ हमारे,
और संत पुरुषों के जीवन
सतरंगी उजियारे।

जो अनाथ असहाय जगत में,
उनके बनो सहारे,
तभी बनोगे बच्चों तुम भी,
सतरंगी उजियारे।

अनुपम तिवारी(शिक्षक)
टेक्निकल इंटरमीडिएट कॉलेज, लखनऊ
उत्तर प्रदेश

स्त्री (नारी एक स्वरूप अनेक)

**बचपन में वह किसी की बेटी होती है,*
किसी की बहन बनकर स्नेह लुटाती है,
कहीं बुआ बनकर दुलार देती है,
*तो*कहीं मौसी बनकर अपनापन निभाती है।**

युवावस्था में वह सपनों को उड़ान देती है,कभी किसी की प्रेरणा बनती है,

तो कभी अपनी मेहनत और प्रतिभा से किसी संस्था या कंपनी की सफल नेतृत्वकर्ता बन जाती है।

प्रौढ़ावस्था में वह किसी घर की बहू होती है,किसी की पत्नी बनकर जीवन का साथ निभाती है,

किसी की चाची, किसी की मामी बनकर रिश्तों की डोर को प्रेम से बाँधती है।

समय के साथ वही स्त्री किसी की माँ बनकर ममता, त्याग और संस्कारों का सबसे उज्ज्वल रूप बन जाती है।

हर रूप में, हर स्वरूप में वह सम्मान और आदर की अधिकारी है। निस्संदेह स्त्री सृष्टि की सबसे अनुपम और अद्भुत कृति है।

**सभी महिलाओं को कोटि-कोटि नमन।*
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

राम कृष्ण कांत तिवारी
उत्क्रमित मध्य विद्यालय असलान
रामपुर गड़हनी
भोजपुर(बिहार)

बालमन कविता

पेड़ लगाओ

पेड़ लगाओ ,पेड़ लगाओ
अपना जीवन हरा -भरा बनाओ,
ऑक्सीजन का है यह भंडार,
जीवन का है यह आधार ।
छाया हमको इन्हीं से मिलता,
धूप से हमको राहत मिलता ।
इनसे मिलते हमको फल,
स्वस्थ शरीर और सुंदर कल,
हमको बाढ़ से बचाते हैं,
प्रदूषण दूर हटाते हैं ।
हम भी पेड़ लगाएंगे,
दुनिया को हरा - भरा बनाएंगे ।

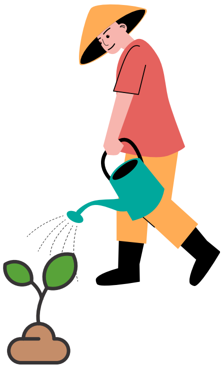

स्वरा जगत
कक्षा - चौथी
शासकीय प्राथमिक शाला हरदी
जिला - बिलासपुर ,छत्तीसगढ़

पढ़ाई

करो पढ़ाई , करो पढ़ाई,
इससे होती जग में बड़ाई ।
पढ़ लिखकर तुम नाम कमाओ,
माँ - बाप के लाल कहलाओ ।
पढ़ लिखकर सम्मान पाओ,
जग में अपना नाम कमाओ ।
पढ़ोगे तो बढ़ोगे,
सही गलत में फर्क करोगे।
पढ़ाई से क्यों दूरी है,
यह तो जीवन में जरूरी है।
करो पढ़ाई करो पढ़ाई,
इससे होती जग में बड़ाई । ।

भूमि गोस्वामी*
कक्षा - चौथी
शासकीय प्राथमिक शाला हरदी
वि०ख० बिल्हा
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

बालमन

यात्रा अनुभव

केसरिया बौद्ध स्तूप

बिहार के पूर्वी चंपारण ज़िले में स्थित केसरिया बौद्ध स्तूप दुनिया का सबसे ऊँचा (लगभग 104 फीट) और सबसे बड़ा बौद्ध स्तूप है, जो 400 फीट की परिधि में फैला है। यह 6-मंजिला संरचना मौर्यकालीन ईंटों से बनी है, जिसे तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक ने बनवाया था और बाद में गुप्त काल में इसका विस्तार किया गया।

केसरिया बौद्ध स्तूप की विस्तृत जानकारी:
स्थान: यह पटना से लगभग 110 किमी दूर, पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया में स्थित है।

ऐतिहासिक महत्व: माना जाता है कि भगवान बुद्ध अपनी अंतिम यात्रा के दौरान कुशीनगर जाने से पहले केसरिया में रुके थे और उन्होंने यहाँ लिच्छवियों को अपना भिक्षापात्र दान में दिया था।
स्थापत्य कला (Structure): यह छह मंजिला बहुभुजीय संरचना है, जो प्राचीन ईंटों से निर्मित है। इसके प्रत्येक तल पर बुद्ध की मूर्तियां अलग-अलग मुद्राओं में स्थापित थीं, जिनमें से कई क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं।

खोज और संरक्षण: इसका उत्खनन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा 1998 में किया गया था। स्थानीय लोग इसे "राजा बेन का देउरा" भी कहते हैं।

यूरोपीय यात्री: चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी अपने समय में इस स्तूप का उल्लेख किया था।

वर्तमान स्थिति: यह अब एक ASI-संरक्षित राष्ट्रीय स्मारक है, जहाँ भारी संख्या में बौद्ध तीर्थयात्री और पर्यटक आते हैं।

केसरिया स्तूप न केवल ऐतिहासिक और पुरातात्विक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह बौद्ध धर्म के गौरवशाली अतीत का प्रतीक भी है।

शबनम फैयाज
उत्क्रमित .मध्य
विद्यालय फुलवरिया घंघटी चकिया पूर्वी चंपारण

बालमन कहानी

ताजमहल की तबियत

बहुत छोटा था मोहन । वह अपने दादा -दादी और पापा-मम्मी के साथ आगरा में रहता था। एक बार उसके घर चाचा- चाची जी आये , तब उसे पता चला कि उसकी दादी जी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है इसलिए वे उन्हें देखने आये हैं।

कुछ दिनों में मोहन की दादी अच्छी हो गईं ।

इस बार मोहना के दिल्ली वाले ताऊ- ताई जी उसके घर आये । उसे पता चला कि उसके ताऊ- ताई जी ताजमहल को देखने आये हैं । तब नन्हे मोहन के मन में अनेक जिज्ञासाओं ने जन्म ले लिया।

ताऊ जी जब ताजमहल देखकर लौटे तो मोहन ने उनसे पूछा कि ताऊ जी ,ताजमहल की तबियत कैसी है? मोहन इस प्रश्न पर वे जोर-जोर से हंसने लगे। उसे आश्चर्य हुआ कि वे उसके गंभीर सवाल को सभी मजाक में क्यों ले रहे हैं?

शरद कुमार वर्मा,(शिक्षक)
रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल ,
चारबाग , लखनऊ
(उत्तर प्रदेश)

NPS कझार घाट,कुदरा,कैमूर

प्राथमिक विद्यालय लखमानपुर, चैनपुर , कैमूर

UMS chhotka katra, Mohnia, kaimur

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बबुरबानी , सोनपुर, सारण

बालमन

P. T. M.

रा०प्रा ०मकतब कबई, नया टोला , समस्तीपुर

UHS NAHARNIYA HARLAKHI MADHUBANI

NPS बलरा दुसाध टोली, बरौली, गोपालगंज

NPS नोनरा, भभुआ , कैमूर

मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान, खजांची हाट, पूर्णिया

प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला मजगामा कसबा पूर्णियाँ

Middle School Maheshamunda Hindi kahalgaon,BHAGALPUR

PS Mahi Siding, Sonpur, Saran

उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुलिया लदनियां जिला मधुबनी

मध्य विद्यालय सिमराहा अररिया

बिहार परिचय

पूर्वी भारत में स्थित राजधानी पटना व,
अड़तीस जिला है कुल अपने बिहार में।

साहित्य शिक्षा कला व संस्कृतियों के क्षेत्र में
बिहार द्वारा किया गया योगदान पर।
भारत स्वतंत्र हुआ तब पुत्र वो बिहार का,
राष्ट्रपति रूप में प्रथम प्रधान पर।
बौद्ध,तर्क,तंत्रविद्या हेतु विक्रमशिला का,
धर्मपाल जी के द्वारा दिव्य अनुष्ठान पर।
विद्यापीठ नालंदा या पटना या बोधगया,
शाति व समृद्धि की ओर अवदान पर।

बारह जिलों में कुल बहती है गंगा नदी,
रामसर साइट छः अपने बिहार में।

मेहनती लोग सीधे सच्चे परिधान सादा ,
लिट्टी चोखा,दही चूड़ा पान मखान पर।
नागार्जुन,विद्यापति,दिनकर,बेनीपुरी,
कण कण में बसे हुए अभिमान पर।
लोक नृत्य जट जटीन झिझिया विदेशिया,
कर्मा सरल कलाकारी पहचान पर।
मधुबनी,मंजूषा,सुजनी,मूर्तिकला शैली,
बौद्ध,हिन्दू,जैन धर्म पैतृक ध्यान पर।

अभिलाषा मिश्रा (शिक्षिका)
राजकीय मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर
बोचहा ,मुजफ्फरपुर

बालमन आलेख

भगवान महावीर: अहिंसा, साहस और आत्मविजय का प्रेरक सदेश

भगवान महावीर का जीवन मानवता के लिए प्रेरणा का उज्ज्वल दीपक है। उन्होंने सिखाया कि सच्ची जीत बाहर की दुनिया को जीतने में नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, अहंकार और लोभ पर विजय पाने में है। उनका सदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना हजारों वर्ष पहले था।

महावीर ने अहिंसा को जीवन का सबसे बड़ा धर्म बताया। उनके अनुसार, हर जीव में आत्मा है और हर प्राणी सम्मान और करुणा का पात्र है। यदि मनुष्य अपने विचारों, वाणी और कर्मों में अहिंसा अपनाए, तो समाज में शाति और सौहार्द स्वतः स्थापित हो सकता है। यह शिक्षा हमें सिखाती है कि छोटी-छोटी बातों में क्रोध करने के बजाय धैर्य और समझदारी से काम लेना चाहिए।

उन्होंने त्याग और संयम का भी अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। राजसी जीवन छोड़कर उन्होंने कठिन तपस्या का मार्ग चुना। यह हमें बताता है कि सफलता पाने के लिए सुविधाओं का मोह छोड़ना पड़ता है। जब व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहता है, तब कठिनाइयाँ भी उसके रास्ते का पत्थर नहीं, बल्कि सीढ़ियाँ बन जाती हैं।

भगवान महावीर का एक महत्वपूर्ण सदेश था—"जीओ और जीने दो।" यह वाक्य हमें सहिष्णुता, समानता और दूसरों के विचारों का सम्मान करना सिखाता है। आज के समय में, जब मतभेद अक्सर विवाद में बदल जाते हैं, यह सदेश हमें शातिपूर्ण सह-अस्तित्व का मार्ग दिखाता है।

उनका जीवन हमें यह भी प्रेरित करता है कि आत्मअनुशासन से ही सच्ची स्वतंत्रता मिलती है। जो व्यक्ति अपनी इच्छाओं और भावनाओं को नियन्त्रित कर लेता है, वही जीवन में संतुलन और सफलता प्राप्त करता है। महावीर ने बताया कि बाहरी जीत अस्थायी होती है, पर आत्मविजय स्थायी और महान होती है।

अंततः, भगवान महावीर का जीवन हमें सिखाता है कि करुणा, सत्य, अहिंसा और आत्मसंयम अपनाकर हम न केवल अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि समाज को भी सकारात्मक दिशा दे सकते हैं। यदि हम उनके आदर्शों को अपने दैनिक जीवन में उतारें, तो हमारा हर कदम मानवता की ओर एक मजबूत कदम होगा।

गोपाल कौशल भोजवाल (शिक्षक)
नागदा ,जिला धार
मध्यप्रदेश

फरवरी 2026 का बालमन पत्रिका पढ़ने के लिए क्लिक करे।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे।

Teachers of Bihar: +917250818080
Dhiraj Kumar : +91 9431680675
teachersofbihar@gmail.com
www.teachersofbihar.org

ToB बालमन के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए QR कोड को स्कैन करे या क्लिक करे।